samas c-21. तत्पुरुष समास

1. तत्पुरुष समास :

जिस समास में उत्तरपद प्रधान होता है एवं पूर्वपद गौण होता है वह समास तत्पुरुष समास कहलाता है। **जैसे:**

- धर्म का ग्रन्थ : धर्मग्रन्थ

- राजा का कुमार : राजकुमार
- तुलसीदासकृत : तुलसीदास द्वारा कृत

तत्पुरुष समास के प्रकार :

1. कर्म तत्पुरुष : 'को' के लोप से यह समास बनता है। **जैसे:** ग्रंथकार : ग्रन्थ **को** लिखने वाला
2. करण तत्पुरुष : 'से' और 'के द्वारा' के लोप से यह समास बनता है। **जैसे:** वाल्मिकिरचित **:** वाल्मीकि **के द्वारा** रचित
3. सम्प्रदान तत्पुरुष : 'के लिए' का लोप होने से यह समास बनता है। **जैसे:** सत्याग्रह : सत्य **के लिए** आग्रह
4. अपादान तत्पुरुष : 'से' का लोप होने से यह समास बनता है। **जैसे:** पथभ्रष्ट: पथ **से** भ्रष्ट
5. सम्बन्ध तत्पुरुष : 'का', 'के', 'की' आदि का लोप होने से यह समास बनता है। **जैसे:** राजसभा : राजा **की** सभा
6. अधिकरण तत्पुरुष : 'में' और 'पर' का लोप होने से यह समास बनता है। **जैसे:** जलसमाधि : जल **में** समाधि